# वार्षिक प्रतिवेदन 2022

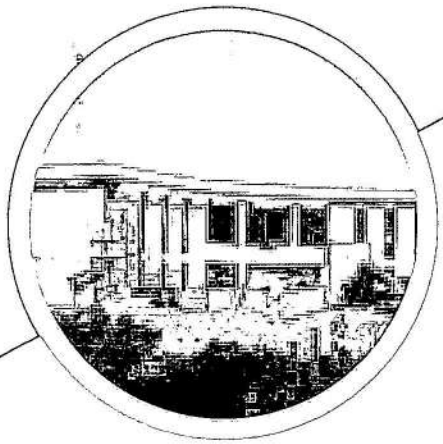

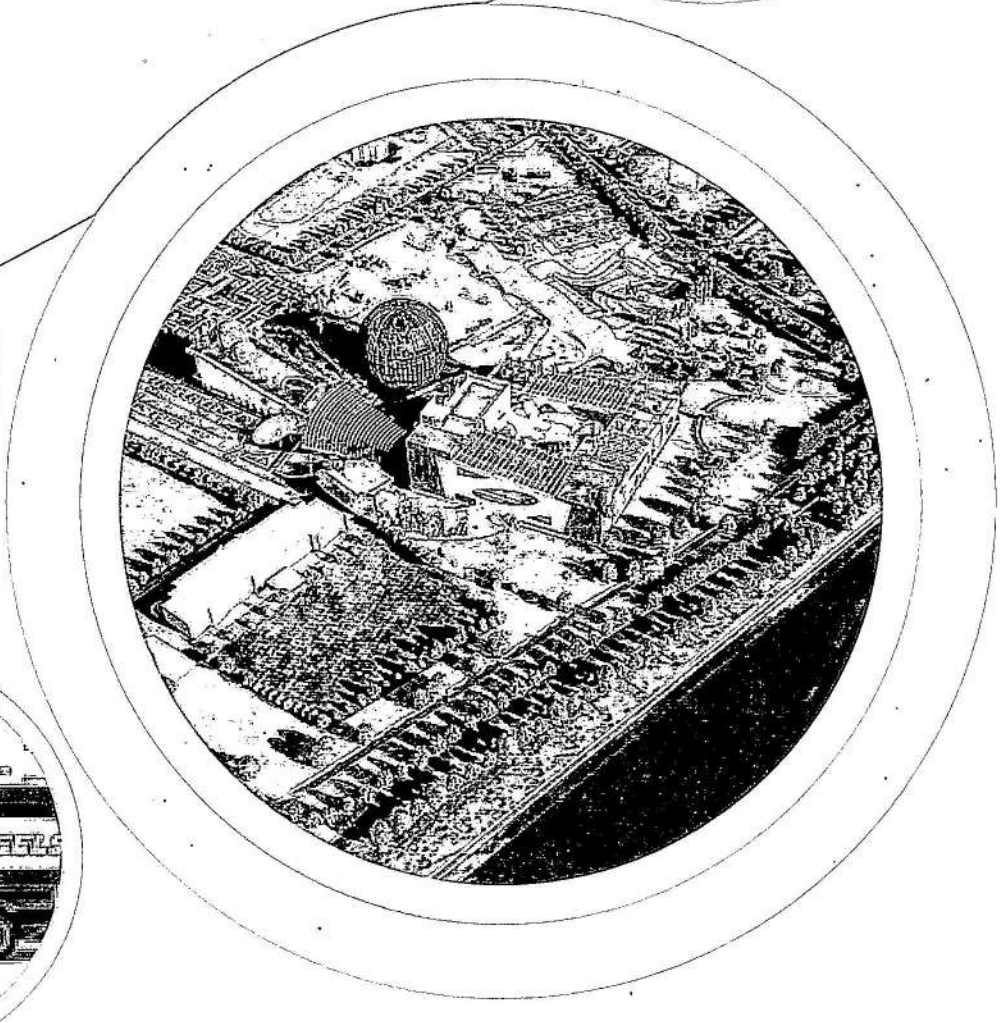

सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज एवं
विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन
उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, देहरादून

# 1 उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद

| | | |
|---|---|---|
| मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन। | अध्यक्ष | पदेन |
| प्रमुख सचिव/सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य | पदेन |
| प्रमुख सचिव/सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य सचिव | पदेन |
| प्रमुख सचिव/सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य | पदेन |
| प्रमुख सचिव/सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य | पदेन |
| प्रमुख सचिव/सचिव, वन, ग्राम विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य | पदेन |
| प्रमुख सचिव/सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य | पदेन |
| प्रमुख सचिव/सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य | पदेन |
| प्रो0 वाई0एस0 नेगी, बहुलक तथा प्रक्रिया अभियांत्रिकी विभाग, आई0आई0टी0 रूड़की, सहारनपुर कैम्पस, सहारनपुर। | सदस्य | |
| पांच प्रतिनिधि विषय विशेषज्ञ वैज्ञानिक।<br>1. प्रो0 ए0एन0 पुरोहित, पूर्व कुलपति, हे0न0ब0 गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर।<br>2. डा0 बी0आर0 अरोड़ा, पूर्व निदेशक, वाडिया भू–विज्ञान संस्थान, देहरादून।<br>3. डा0 आर0के0 सिंह, निदेशक, भारतीय पशु–चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली।<br>4. डा0 सी0एस0 नौटियाल, पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ।<br>5. प्रो0 ए0पी0 डिमरी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली। | सदस्य | |

| | | |
|---|---|---|
| दो प्रतिनिधि राज्य के विश्वविद्यालय।<br>1. डा0 वाई0पी0एस0 डबास, निदेशक, शिक्षा विस्तार, जी0बी0 पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर।<br>2. डा0 आर0जी0 उपाध्याय, संयुक्त निदेशक, विस्तार, उत्तराखण्ड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, रानीचौरी कैम्पस, टिहरी गढ़वाल। | सदस्य | पदेन |
| सलाहकार, प्रौद्योगिकी विकास तथा स्थानांतरण (टी0डी0टी0) विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली। | सदस्य | |
| दो प्रतिनिधि राज्य के औद्योगिक क्षेत्र से।<br>1. डा0 एस0 फारूक, अध्यक्ष, हिमालयन ड्रग कम्पनी, देहरादून।<br>2. श्री राकेश ओबरॉय, सीएमडी, ओबरॉय मोटर्स, माजरा, देहरादून। | सदस्य | |
| कुलपति, जी0बी0 पन्त विश्वविद्यालय, पन्तनगर। | सदस्य | पदेन |
| महानिदेशक, उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, यूकॉस्ट, उत्तराखण्ड। | सदस्य | |

## उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद

परिचय –

वैज्ञानिक जागरूकता एवं विज्ञान के क्षेत्र को प्रभावशाली बनाये जाने के उद्देश्य से देश के अन्य राज्यों की भांति उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् का गठन मा0 मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में श्रम सेवायोजन वि0 एवं प्रौ0 विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्याः 549, 334 दिनांकः 21 फरवरी, 2005 के द्वारा किया गया।

विशेषताएं –

1 राज्य सरकार को वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी विषयों पर परामर्श प्रदान करना।
2 समाज के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अधिक से अधिक उपयोगी क्षेत्रों का चिन्हांकन एवं क्रियान्वयन करने की दिशा में निरन्तर प्रयास करना।
3 उत्तराखण्ड शासन द्वारा परिषद् का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी गतिविधियों के लिए नोडल ऐजेन्सी के रूप में कार्य करना।

दायित्व –

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का दायित्व जनसाधारण में विज्ञान का प्रचार–प्रसार तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर का विकास किया जाना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु सन् 1958 में संसद द्वारा अनुमोदित वैज्ञानिक नीति तथा वर्ष 1981 में बैंगलोर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषदों की स्थापना हेतु आयोजित कार्यशाला की अनुशंसाओं एवं उत्तराखण्ड राज्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अगस्त, 2005 से उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् ने कार्य प्रारम्भ किया। परिषद के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:–

1. किसानो विषेशकर गरीब एवं पिछड़े कृषक, भूमिहीन कृषक, छोटे कृषक, छोटे कामगार एवं अनुसूचित जाति/जनजाति, महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान तथा दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी दूर करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों की पहचान करना और विकास के लिये उनका उपयोग करना।
2. सामाजिक एवं आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिये शासन की नीतियों एवं उनके परिपालन हेतु उठाये जाने वाले आवश्यक कदमों के लिये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में शासन को परामर्श देना।
3. राज्य के प्राकृतिक संसाधनों के समन्वित विकास के लिये अनुसंधान एवं प्रदर्शन तथा विकासीय योजनाओं, कार्यक्रमों की पहल, प्रायोजन एवं समन्वय करना।
4. विकास को बढ़ावा देने हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की आवश्यकतानुसार प्रयोगशालायें स्थापित करना अथवा उनकी स्थापना हेतु सहायता देना।
5. पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र की स्थापना एवं संचालन करना।
6. राज्य के लिये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की अन्य संस्थाओं से प्राप्त होने वाली योजनाओं का अनुमोदन, योजनायें तैयार करना एवं उनकी तैयारी हेतु अनुदान, ऋण एवं विशेषज्ञों को सहायता प्रदान करना।
7. विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिये जन सामान्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रचार एवं प्रसार तथा संगोष्ठियों आदि का आयोजन करना।

8. राज्य शासन द्वारा परिचालित तकनीकी प्रयासों में परिपूरक बनना।
9. समान उद्देश्य की राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थाओं के साथ परस्पर कार्य करना।
10. राज्य की समस्याओं के निराकरण के लिये उपयुक्त प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित कार्यवाही करना तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की शिक्षा को बढ़ावा देना।
11. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास कार्यों को पुरस्कृत करना।
12. सामान्यतः समस्त ऐसे उपाय करना, जिससे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग से उत्तराखण्ड राज्य का सर्वांगीण विकास तीव्रता से हो सके।

**संगठनात्मक संरचना एवं सृजित पद –**

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के स्वरूप में उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या 494(1)/XXXVIII/09-01/2001(TC) दिनांक 10 दिसम्बर, 2009 के द्वारा निम्नलिखित पदों को स्वीकृत किया गया है:–

परिषद मुख्यालय हेतु –

| क्रमांक | पदनाम | वेतन बैंड (रू0 में) | ग्रेड वेतन (रू0 में) | पदों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1. | महानिदेशक | 37400–67000 | 10,000 | 01 |
| 2. | वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी | 15600–39100 | 6,600 | 02 |
| 3. | वैज्ञानिक अधिकारी | 15600–39100 | 5,400 | 02 |
| 4. | प्रशासनिक अधिकारी | 9300–34800 | 4,200 | 01 |
| 5. | वैज्ञानिक सहायक | 9300–34800 | 4,200 | 04 |
| 6. | लेखाकार | 9300–34800 | 4,200 | 01 |
| 7. | कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक | 5200–20200 | 2,800 | 02 |
| 8. | आशुलिपिक | 5200–20200 | 2,400 | 02 |
| 9. | कनिष्ठ सहायक | 5200–20200 | 2,000 | 02 |
| 10. | पुस्तकालय सहायक | 5200–20200 | 2,000 | 01 |
| 11. | चपरासी/चौकीदार | 4440–7440 | 1,300 | 03 |

क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र हेतु –

| क्रमांक | पदनाम | वेतन बैंड (रू0 में) | ग्रेड वेतन (रू0 में) | पदों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1. | परियोजना अधिकारी | 15600–39100 | 6,600 | 01 |
| 2. | प्रबन्धक मार्केटिंग | 15600–39100 | 5,400 | 01 |
| 3. | प्रबन्धक जनसम्पर्क | 15600–39100 | 5,400 | 01 |
| 4. | कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी | 9300–34800 | 4,200 | 02 |
| 5. | डी0टी0पी0 आपरेटर | 9300–34800 | 4,200 | 02 |
| 6. | प्रदर्शक | 9300–34800 | 4,200 | 02 |
| 7. | कनिष्ठ सहायक/डाटा एन्ट्री आपरेटर | 5200–20200 | 2,000 | 02 |
| 8. | प्लान्ट ऑपरेटर | 5200–20200 | 2,000 | 01 |
| 9. | अनुसेवक | 4440–7440 | 1,300 | 04 |

बौद्धिक सम्पदा अधिकार केन्द्र हेतु –

| क्रमांक | पदनाम | वेतन बैंड (रू0 में) | ग्रेड वेतन (रू0 में) | पदों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1. | वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी | 15600–39100 | 6,600 | 01 |
| 2. | वैज्ञानिक अधिकारी | 15600–39100 | 5,400 | 01 |
| 3. | चपरासी/चौकीदार | 4440–7440 | 1,300 | 02 |

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा स्वीकृत पद–

उपरोक्त के अतिरिक्त भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा महानिदेशक, एक संयुक्त निदेशक, दो वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तीन वैज्ञानिक अधिकारी एवं दो तकनीकी सहायक के पदों की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

## वित्तीय वर्ष 2022–23 हेतु विमुक्त धनराशि एवं दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 तक का व्यय विवरण

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022–23 हेतु परिषद को कुल रूपये 27,28,65,500.00 (रूपये सत्ताईस करोड़ अठ्ठाईस लाख पैंसठ हजार पांच सौ मात्र) की धनराशि का प्रावधान किया गया एवं दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 तक परिषद को कुल रूपये 24,32,83,500.00 (रूपये चौबीस करोड़ बत्तीस लाख तिरासी हजार पांच सौ मात्र) की धनराशि प्राप्त हुई है।

| | |
|---|---|
| प्राप्तियां | |
| उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्राप्त अनुदान | 24,32,83,500.00 |
| योग (अ) | 24,32,83,500.00 |
| भुगतान | |
| प्रशासन / निदेशन | 2,23,42,882.00 |
| अनुसंधान एवं विकास कार्य | 1,69,46,387.00 |
| विज्ञान लोकव्यापीकरण कार्यक्रम | 21,90,650.00 |
| उद्यमिता विकास कार्यक्रम | 9,09,707.00 |
| विज्ञान धाम के व्यय | 1,03,81,563.00 |
| अन्तिम शेष 31.12.2022 को | |
| पी.एल.ए. खाते में | 19,05,12,311.00 |
| योग (ब) | 24,32,83,500.00 |

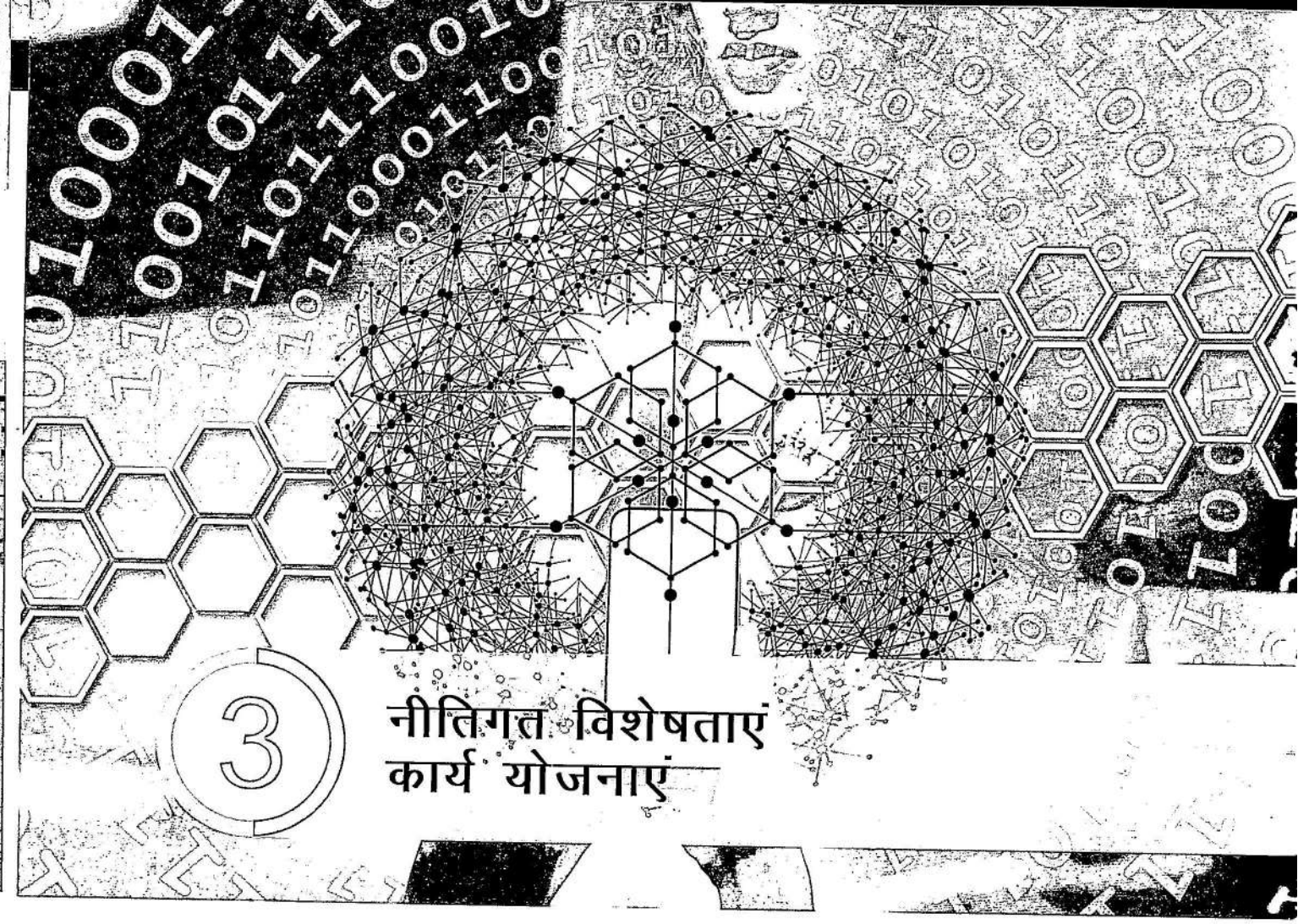

# 3 नीतिगत विशेषताएं कार्य योजनाएं

## (क) नीतिगत विशेषताएं

1. अन्वेषी प्रवृत्ति को बढ़ावा देना।
2. संस्थाओं को एक साथ समन्वय स्थापित करना।
3. विभिन्न मंत्रालयों के मध्य समन्वय।
4. उद्योग तथा शैक्षणिक जगत के मध्य पारस्परिक सहयोग एवं समन्वयन।
5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मानव संसाधन का विकास।
6. प्रौद्योगिकी आधारित व्यापार को प्रोत्साहन।
7. आधारी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान के विकास हेतु प्रोत्साहन।

## (ख) कार्य योजनाएं

राज्य में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने तथा सुदृढ़ करने हेतु परिषद द्वारा निम्न पांच प्रमुख क्षेत्रों में विभिन्न कार्य योजनाएं संचालित की जा रही है:

1. शोध एवं विकास, प्रदर्शन एवं विस्तार।
2. विज्ञान लोकव्यापीकरण तथा विज्ञान धाम की स्थापना।
3. हिमालयी व्यवस्था विज्ञान।
4. विज्ञान एवं समाज – विशेषकर महिलाओं एवं कमजोर वर्गों के लिए।
5. उद्यमिता विकास एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।

## शोध एवं विकास, प्रदर्शन एवं विस्तार–

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद विभिन्न क्षेत्रों में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों को प्रायोजित कर इच्छुक समूहों द्वारा रचनात्मक क्रियाकलापों के लिये मंच प्रदान कर रहा है।

### राज्य स्तरीय विज्ञान कांग्रेस–

परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम के द्वारा वैज्ञानिकों को अपने शोध कार्यों तथा उपलब्धियों को प्रस्तुत करने के लिये सामुहिक मंच मिलता है। विज्ञान कांग्रेस में युवा वैज्ञानिकों को आपस में विचार–विमर्श कर भविष्य की योजनाएं तैयार करने में मदद मिलती हैं। प्रतिभागी वैज्ञानिक, उत्तराखण्ड की विभिन्न शोध संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य संस्थाओं में अध्ययनरत अथवा कार्यरत होते हैं। विज्ञान कांग्रेस में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों जैसे कृषि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन एवं सूक्ष्म जैविकी, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान सह भू–विज्ञान, भू–भौतिकी, भूगोल, अभियान्त्रिकी विज्ञान एवं तकनीकी, पर्यावरण विज्ञान एवं वानिकी, गृह विज्ञान सह वस्त्र, भोजन, पोषण एवं बाल विकास, मैटिरियल साइंस एण्ड नैनो टैक्नोलॉजी, गणित, सांख्यिकी तथा कम्प्यूटर विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान एवं फार्मास्यूटिकल साइंसेज, भौतिक विज्ञान, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, विज्ञान एवं समाज/विज्ञान संचार, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान एवं जन्तु विज्ञान से सम्बंधित आमंत्रित शोध पत्रों पर प्रतिभागियों द्वारा गहन विचार–विमर्श किया जाता है।

विज्ञान कांग्रेस में प्रस्तुत सभी शोध पत्रों का आंकलन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। प्रत्येक वर्ग के सर्वोत्तम शोध पत्र को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया जाता है। पुरस्कृत वैज्ञानिकों को अपने शोधकार्य को आगे बढ़ाने के लिये राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाता है।

### सेमिनार/संगोष्ठी/अधिवेशन/कार्यशाला

इस योजना के अर्न्तगत उत्तराखण्ड में स्थित विभिन्न शैक्षणिक, शोध संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न मुद्दों पर गोष्ठी आयोजित करने के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस प्रकार के आयोजन से नवोदित शोधकर्त्ताओं को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों के साथ अपनी शोध गतिविधियों तथा उपलब्धियों पर विचारों के आदान–प्रदान का अवसर प्राप्त होता है।

### यात्रा अनुदान

शोधकर्त्ताओं तथा वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली वैज्ञानिक कार्यशालाओं में सम्मिलित होने के लिये परिषद द्वारा यात्रा अनुदान दिया जाता है। यात्रा का 50 प्रतिशत व्यय इस योजना के अर्न्तगत राज्य के शोधकर्त्ताओं तथा वैज्ञानिकों को दिये जाने की व्यवस्था है।

### समन्वयक इकाईयों की स्थापना तथा उनका सबलीकरण

परिषद का उद्देश्य है कि विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विकास हेतु केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शोध संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थाओं तथा उद्योग जगत के बीच परस्पर सहयोग को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिये परिषद विभिन्न संस्थाओं में समन्वयक इकाईयों की स्थापना करने का कार्य करती है।

## विज्ञान लोकव्यापीकरण–

आम जनता, विशेष रूप से युवा वर्ग में विज्ञान लोकव्यापीकरण द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिये परिषद द्वारा विज्ञान लोकव्यापीकरण कार्यक्रम संचालित किये जा रहें हैं।

### युवा वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

विज्ञान कांग्रेस में 40 वर्ष तक की आयु के पुरस्कृत शोधकर्त्ता या किसी अन्य उत्कृष्ट शोधकर्त्ता को राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में शोध कार्य से सम्बधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों मे प्रतिभाग करने हेतु परिषद द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती हैं।

### उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना तथा ग्रीष्मकालीन स्कूल

परिषद राज्य में विद्यमान विश्वविद्यालयों तथा शोध संस्थाओं को तकनीकी एवं आर्थिक सहायता प्रदान कर शोध कार्य हेतु विश्वस्तरीय सुविधाएं तथा तकनीकों का विकास करने की ओर अग्रसर हैं। परिणामतयाः इन शैक्षिक संस्थानों को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। परिषद विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्टता केन्द्रों के संचालन हेतु विभिन्न विषयों में ग्रीष्मकालीन स्कूलों के आयोजन से भी सहायता मिल रही है।

### विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विकास अध्ययन

इस योजना के अन्तर्गत राज्य में संचालित शोध एवं विकास की गतिविधियों का विश्लेषण किया जाता है, जिससे कि विकास सम्बन्धी भविष्य की योजनाएं बनाने में सहायता मिलती हैं।

### नये क्षेत्रों की पहचान

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को राज्य में और अधिक प्रभावी बनाने तथा उसे विकसित करने के लिये परिषद द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों, प्रौद्योगिकीविदों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं का एक कार्यदल का गठन किया गया है जो कि शोध एवं विकास के लिये नये क्षेत्रों की पहचान करने में मददगार हैं।

### सेवानिवृत्त वैज्ञानिक कार्यक्रम

सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों के अनुभव तथा विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिये परिषद उनके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में प्रारम्भ की गयी परियोजनाओं तथा कार्यों को आर्थिक रूप से सहायता के साथ–साथ उन्हें अन्य स्तरो से भी मदद करती हैं।

### अन्वेषी प्रवृत्ति को बढ़ावा देने का कार्यक्रम

परिषद द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये व्यक्तियों तथा संस्थाओं द्वारा तृणमूल स्तर पर लोगों की पहचान करके उनके अन्वेषण तथा उनकी प्रतिभा को विकसित करने के लिये हर सम्भव प्रयास तथा सहायता प्रदान की जाती हैं।

### साइंस सिटी तथा तारामंडल की स्थापना

आम जनमानस विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिये उत्तराखण्ड में एक अत्याधुनिक साइंस सिटी तथा तारामंडल की स्थापना करने का कार्य परिषद द्वारा गतिमान है। विज्ञान धाम एवं तारामंडल का अवलोकन करके बच्चे प्रकृति में छिपी वैज्ञानिक प्रवृत्तियों के साथ–साथ वैज्ञानिक सिद्धान्तों तथा विज्ञान के नये आयाम को समझने का अवसर प्रदान होगा।

### लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला

परिषद द्वारा राज्य में वैज्ञानिक मानसिकता को बढावा देने के उददेश्य से प्रसिद्ध वैज्ञानिकों को विज्ञान तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी से जुड़े विशेष मुद्दों पर व्याख्यान देने के लिये आमन्त्रित किया जाता है।

## पुस्तकालय / सह–प्रलेखन केन्द्र

परिषद राज्य में एक ऐसे पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र की स्थापना हेतु प्रयत्नशील है, जिसके माध्यम से राज्य में विभिन्न विषयों में शोध कार्य कर रहे शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों तथा शोधार्थियों को आवश्यक जानकारियां प्राप्त हो सके। ऐसे पुस्तकालय में विज्ञान के संदर्भ ग्रन्थ, शोध पत्रिकायें, विज्ञान पत्रिकायें संग्रहित की जायेगी ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर सुगमता से उपलब्ध हो सकें।

## प्रकाशन

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक ज्ञान को लोगों तक पहुंचाने के लिये परिषद राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में उच्चकोटि के शोध पत्रों, शैक्षणिक पुस्तकों के प्रकाशन तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के साहित्य का अनुवाद तथा प्रकाशन की व्यवस्था भी कर रहा है।

## जनसम्पर्क तथा सूचना

परिषद विज्ञान लोकव्यापीकरण हेतु प्रदर्शनी, विज्ञान मेला तथा वैज्ञानिकों द्वारा आम जन के बीच जाकर आपसी संवाद करने जैसी योजनाओं को भी चला रहा है, जिसमें दृश्य तथा श्रवण मीडिया का भी उपयोग किया जा रहा है।

## विज्ञान शिक्षा तथा प्रसार

समय–समय पर घटित होने वाली विभिन्न घटनाओं एवं विशेष अवसरों से सम्बन्धित जानकारी देने के लिये परिषद कार्यशाला तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है, जिसमें गणित ओलम्पियाड भी शामिल है।

## कार्यक्रम केलेण्डर

प्रतिवर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस तथा अन्य ऐसे अन्तर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय अवसरों पर परिषद द्वारा स्थापित विज्ञान प्रसार केन्द्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

## विज्ञान लोकप्रियकरण कार्यक्रम

परिषद ऐसे सभी कार्यक्रमों को आयोजित और उनमें हिस्सेदारी भी कर रहा है, जो विज्ञान लोकप्रियकरण में सहायक है, जैसे राज्यस्तरीय आविष्कार प्रर्दशनी, राष्ट्रीय विज्ञान सेमीनार, विज्ञान मेला, राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी तथा बाल विज्ञान कांग्रेस इत्यादि।

## उत्तराखण्ड साइंस फोरम

परिषद उत्तराखण्ड साइंस फोरम के गठन हेतु सभी सम्भव सुविधांए तथा सहायता प्रदान कर रहा है। उत्तराखण्ड साइंस फोरम में विभिन्न शोध संस्थाओं के विचारवान व्यक्तियों, बुद्धिजीवियों, शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों इत्यादि को सम्मिलित किया जा रहा हैं। साइंस फोरम की विभिन्न गतिविधियों को आगे बढ़ाने और उन्हें विकसित करने के लिये कोर पैनल द्वारा निर्णय लिया जाता हैं।

### राज्यस्तरीय पुरस्कार

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को राज्यस्तरीय पुरस्कार नकद धनराशि तथा प्रशस्ति–पत्र के रूप में दिया जाता हैं। सामान्यतः पुरस्कार पाने वाले को उत्तराखण्ड में ही स्थित संस्था में शोध कार्य करना होता हैं। इस प्रकार के पुरस्कार स्कूल के अध्यापकों, माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों तथा तृणमूल आविष्कारकों को भी विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके द्वारा किये गये विशिष्ट योगदान हेतु प्रदान किये जाते हैं।

## हिमालय व्यवस्था विज्ञान–

उत्तराखण्ड राज्य की स्थलाकृति में उच्च स्थलों की पारिस्थितिकी, हिमनद, चारागाह, जैव विविधता, ताल तथा कृषि व्यवस्था से सम्बन्धित शोध कार्यों को परिषद द्वारा हर सम्भव सहायता दी जाती है।

### प्राकृतिक संसाधन व्यवस्थापन–

हिमालयन पारिस्थितिकी में विद्यमान विभिन्न जंतु एवं वानस्पतिक जैव विविधता के संरक्षण हेतु प्राथमिकता के आधार पर शोध कार्य एवं इनके सम्बन्ध में सम्पूर्ण जानकारी को सूचीबद्ध करने के लिए परिषद प्रयत्नशील हैं।

### औषधीय एवं सुगंध वनस्पतियों का संरक्षण–

इस योजना के अन्तर्गत प्राकृतिक सम्पदा तथा पर्यावरण सम्बन्धी अध्ययन, जिसमें भूगर्भिक आपदाएं, हिमनदों का पीछे की ओर खिसकना, हिमनद ढाल, स्थायित्व तथा नदियों एवं तालों का अध्ययन शामिल है।

### विज्ञान एवं समाज–महिलाओं तथा कमजोर वर्गो के लिये–

समाज में महिलाओं, कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं ग्रामीण वर्गों के लिये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के निवेश द्वारा सामाजिक एवं आर्थिक जीवन स्तर का उन्नयन करना तथा आय के अधिक अवसर प्रदान करने सहित जीवन की कठोरता को कम करते हुए बेहतर स्वास्थ्य, चिकित्सा सेवा, पोषण, स्वच्छता एवं शुद्ध पर्यावरण सुविधा प्रदान करना इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ–साथ विज्ञान शिक्षा को प्रोत्साहित करना भी इस योजना में निहित है।

### प्रौद्योगिकी प्रबंधन–

देश में औद्योगिक विकास के लिये आधुनिक तकनीक एवं व्यापार की नयी अवधारणाओं का उपयोग और उनका व्यवस्थापन करते हुये विभिन्न उत्पादों की गुणवत्ता में वृद्धि कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता करने के लिये परिषद द्वारा औद्योगिक जगत् के मुद्दों के विषय में सम्बधित लोगों को नवीन जानकारी देने तथा विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

### बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रबन्ध–

इस कार्यक्रम के अर्न्तगत लोगों में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के विषय में जागरूकता विकसित की जाती है। विश्वविद्यालयों, उद्योगों, सरकारी शोध संस्थाओं को इससे अपनी बौद्धिक सम्पदा का पेटेंट हासिल करने में सहायता मिलती है। इस सम्बन्ध में पेटेंट सूचना का समय–समय पर विश्लेषण किया जाता है और पेटेंट हेतु नये आविष्कारों के सम्बन्ध में दिशा–निर्देश तथा सुझाव भी दिये जाते हैं, इस दिशा में दो तरह के बौद्धिक सम्पदा अधिकार केन्द्रों की भी स्थापना की गई है। इसके अन्तर्ग शोध संस्थाओं, विश्वविद्यालयों इत्यादि के लिए पेटेंट इंफोरमेशन सेंटर (PIC) सूक्ष्म, लधु एवं मध्यम उद्यमों के लिए बौद्धिक सम्पदा सुविधा केन्द्र (IPFC) कार्य करता है।

## उद्यमिता विकास एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण–

नवीनतम एवं उच्च तकनीक के माध्यम से अन्वेषी प्रवृत्ति को विकसित करने के कार्यक्रम परिषद द्वारा गतिमान एवं प्रस्तावित है। उद्देश्य यह है कि उत्तराखण्ड की वैज्ञानिक आवश्यकताओं के अनुरूप नयी तकनीकों का उपयोग करते हुये आम जन में उद्यमिता भावना का निरंतर विकास किया जा सके।

### प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम

नैनो टैक्नोलॉजी, अनुवांशिकी अभियांत्रिकी, उच्च तकनीक आधारित जलीय जैव विकास, रेशम कीट पालन जैसे नवीन उभरते हुये क्षेत्रों को विकसित करने के लिये परिषद, वित्तीय संस्थाओं को शोध कार्य हेतु धन उपलब्ध कराने के साथ–साथ मार्गदर्शक की भूमिका का निर्वहन भी करती है।

### प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये प्रौद्योगिकी के उच्चीकरण एवं हस्तांतरण हेतु राष्ट्रीय शोध संस्थाओं के साथ समन्वय तथा सहयोग करने की नीति पर परिषद कार्य करती हैं।

### प्रौद्योगिकी का विपणन

परिषद उत्तराखण्ड की आर्थिक प्रगति को त्वरित करने के लिये उन क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के विपणन पर बल दे रही हैं, जहां उत्पाद जल्दी खराब हो जाते हैं। परिषद इस कार्य हेतु उत्तराखण्ड की विभिन्न संस्थाओं को नई तकनीक तथा सुविधाओं को उपलब्ध कराने में पूरी सहायता प्रदान करती हैं।

### प्रौद्योगिकी संसाधन केन्द्र तथा ग्रामीण तकनीक मिशन की स्थापना

इस परियोजना के अन्तर्गत परिषद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के लिये प्रयुक्त की जा रही तकनीकों के विकास एवं उच्चीकरण का कार्य करती हैं। वर्तमान में यह कार्य जनपद स्तर पर संचालित किया जा रहा है, अतिशीघ्र इसको ब्लॉक स्तर पर क्रियान्वित किया जायेगा। इन केन्द्रों से पारम्परिक अनुभव तथा ज्ञान के साथ–साथ आधुनिक तकनीक तथा विज्ञान का उपयोग कर लोगों को लाभ पहुंचाया जायेगा।

### कार्यक्रम कैलेण्डर–

प्रदेश के विद्यालयों में परिषद द्वारा विज्ञान प्रसार केन्द्रों के माध्यम से निम्नलिखित दिवसों पर विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं :–

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | राष्ट्रीय विज्ञान दिवस | – | 28 फरवरी |
| 2. | अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस | – | 08 मार्च |
| 2. | विश्व जल दिवस | – | 22 मार्च |
| 3. | विश्व पृथ्वी दिवस | – | 22 अप्रैल |
| 4. | विश्व बौद्धिक सम्पदा अधिकार दिवस | – | 26 अप्रैल |
| 4. | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस | – | 11 मई |
| 5. | अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस | – | 22 मई |
| 6. | विश्व पर्यावरण दिवस | – | 05 जून |
| 7. | ओजोन दिवस | – | 16 सितम्बर |
| 8. | अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान दिवस | – | 10 नवम्बर |
| 9. | पर्यावरण संरक्षण दिवस | – | 25 नवम्बर |
| 10. | राष्ट्रीय गणित दिवस | – | 22 दिसम्बर |

# 4 उपलब्धियाँ

## साइंस सिटी देहरादून परियोजना

यूकॉस्ट के तत्वाधान में आंचलिक विज्ञान केंद्र को उच्चीकृत करके साइंस सिटी देहरादून में विकसित करने की परियोजना के लिए केंद्र कार्य कर रहा है। केंद्र सरकार की "स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ कल्चर ऑफ साइंस (स्पोक्स)" योजना के तहत साइंस सिटी देहरादून का निर्माण एन0सी0एस0एम0, कोलकाता के सहयोग से किया जायेगा। एन0सी0एस0एम0 भारत सरकार के संस्कृत मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्तशासी संस्था है, जो देश में विज्ञान संग्रहालयों का निर्माण तथा संचालन करती है। साइंस सिटी एक प्रतिष्ठित एवं अति आकर्षक परिसर होगा, जिसके लिए । लगभग 26 एकड़ में स्थापित होने वाली इस महत्वाकांक्षी साइंस सिटी परियोजना की कुल लागत 173 करोड़ रुपये है, जिसमें 88.20 करोड़ रुपये केंद्र सरकार तथा 84.80 करोड़ रुपये राज्य सरकार वहन करेगी।

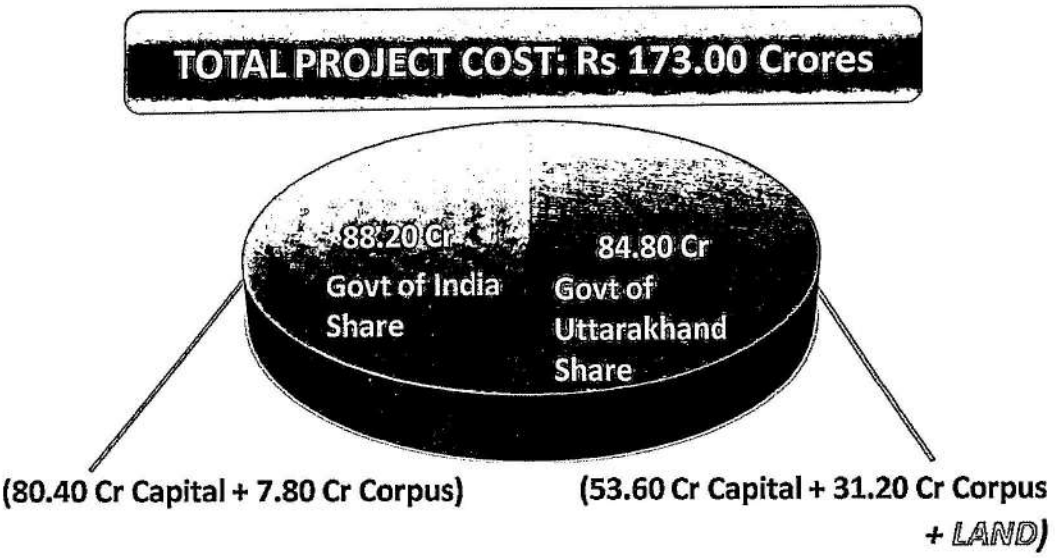


साइंस सिटी देहरादून में खगोल एवं अंतरिक्ष विज्ञान, रोबोटिक्स, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की विरासत, भूगर्भीय जीवन, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी, वर्चुअल रियलिटी, ऑग्मेंटेड रियलिटी, आर्टिफीसियल इंटेलीजेन्स, आदि पर विषयगत दीर्घाओं के साथ स्पेस थियेटर सह तारामंडल, साइंस ऑन स्फेअर, हिमालय की जैवविविधता पर डिजिटल पैनोरमा, सिम्युलेटर, एक्वेरियम, उच्च वोल्टेज व लेजर विज्ञान पर विशेष शो तथा आउटडोर साइंस पार्क, थीम पार्क, बायोडोम, बटरफ्लाई पार्क, जीवाश्म पार्क एवं मिनिएचर उत्तराखंड आदि होंगे। साथ ही अन्य सुविधाओं के रूप में कन्वेंशन सेंटर तथा प्रदर्शनी हॉल आदि भी साइंस सिटी का हिस्सा होंगे।

अद्यतन स्थिति में साइंस सिटी परियोजना की कार्यकारिणी समिति द्वारा सक्षम आर्किटेक्ट मेसर्स चेल्सी वेस्ट आर्किटेक्ट, नई दिल्ली/ न्यूयॉर्क का चयन किया जा चुका है तथा राज्य सरकार द्वारा एन0सी0एस0एम0 को इस परियोजना की कार्यदाई संस्था नामित किया जा चुका है। परियोजना के लिए राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए पहली किश्त के रूप में 15 करोड़ रुपये की धनराशि निर्गत की जा चुकी है, जिससे बॉउंड्री वाल का कार्य आरम्भ होने जा रहा है तथा साइंस सिटी के मास्टर प्लान पर कार्य गतिमान है।

## उप क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र (एस0आर0एस0सी0), अल्मोड़ा

राज्य में विज्ञान की लोकप्रियता के लिए संसाधन केंद्र की स्थापना के लिए एक और मील के पत्थर के रूप में यूकॉस्ट द्वारा एन0सी0एस0एम0, भारत सरकार के सहयोग से अल्मोड़ा में एक एस0आर0एस0सी0 विकसित किया जा रहा है। एन0सी0एस0एम0 द्वारा केंद्र सरकार से 100 करोड़ फंड शेयर (कुल 15.20 करोड़ रुपये) से राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त 7.6 एकड़ भूमि पर विकसित हो रहे इस केंद्र का भवन निर्माण कार्य अब लगभग पूर्ण हो चुका है। राज्य सरकार के हिस्से का सिविल वर्क होना शेष है जिसमें भूमि विकास, चाहर दीवारी, गेट काम्प्लेक्स में सुरक्षा गुमटी तथा टिकट काउंटर के साथ पानी, टेलीफोन एवं बिजली के कनेक्शन जैसी अन्य सुविधाओं की व्यवस्था के लिए कार्य जारी है। एन0सी0एस0एम0 द्वारा केंद्र में गैलरीज की स्थापना तथा अन्य वैज्ञानिक उपकरणों के लगाए जाने का कार्य गतिमान है, जो मई माह तक पूर्ण किये जाने की संभावना है।

उप–आंचलिक विज्ञान केंद्र, अल्मोड़ा का निर्माण मुख्यतः जलवायु परिवर्तन थीम को केन्द्र बिन्दु रखकर किया गया है। केंद्र में प्रदान की जानी वाली सुविधाएं निम्नानुसार हैं:

1. जलवायु परिवर्तन पर इंटरैक्टिव विज्ञान प्रदर्शनी।
2. बुनियादी विज्ञान पर इंटरैक्टिव प्रदर्शनी।
3. साइंस पार्क।
4. नवाचार पोषण केंद्र।

5. छात्र एवं शिक्षक विज्ञान गतिविधि तथा प्रशिक्षण केंद्र।
6. वैज्ञानिकों एवं छात्रों/आम जनता के बीच विमर्श के लिए सभागार।
7. विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए व्यापक आउटरीच गतिविधियां।

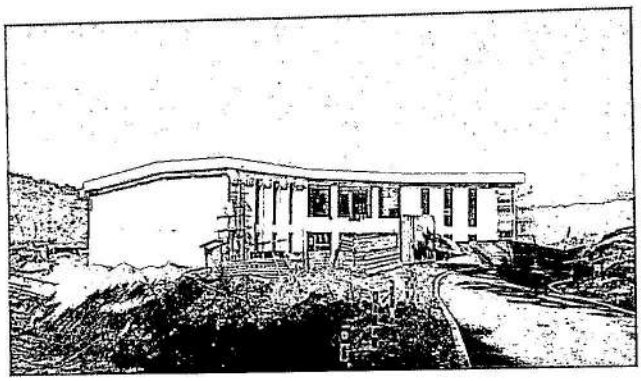

## 1. नई परियोजनाएं (लैब ऑन व्हील, साइंस सेंटर एवं आर्टिफीसियल इंटेलेजन्स लैब)

यूकॉस्ट के तत्वाधान में केंद्र ने दो नए साइंस सेंटर, लैब ऑन व्हील बस, एवं आर्टिफीसियल इंटेलेजन्स लैब की स्थापना के लिए परियोजनाओं पर इस वर्ष कार्य आरम्भ किया, जिनका विवरण निम्नलिखित है:

### आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए0आई0) स्किल लैब

आरएससी देहरादून ने इंटेल के सहयोग से आर0एस0सी0 परिसर में एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए0आई0) स्किल लैब की स्थापना की है। इंटेल ने अपने एसेट डोनेशन प्रोग्राम के तहत यह ए0आई0 स्किल लैब प्रायोजित की है, जिसके अंतर्गत केंद्र के एक समर्पित हॉल में Intel® Core™ i5 , एवं i7 प्रोसेसर के 9 उच्च कॉन्फ़िगरेशन वाले कम्प्यूटर्स, एक लैपटॉप, सॉफ़्टवेयर, ऑडियो–विजुअल सिस्टम, प्रोजेक्टर, व्हाइट एवं सॉफ्ट बोर्ड, प्रिंटर तथा सहायक उपकरणों को स्थापित किया है। हाल ही में आर0एस0सी0 स्टाफ को ए0आई0 स्किल लैब पर उन्मुखीकरण के लिए 5 दिनों का ऑनलाइन प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है।

ए0आई0 पहले से ही उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास में का प्रमुख भूमिका निभा रही है। इस उभरती और वर्तमान तकनीक के महत्व और मानव गतिविधि के विभिन्न क्षेत्रों में इसके गहन अनुप्रयोगों को ध्यान में रखते हुए इंटेल कॉर्प के सहयोग से छात्रों और आम जनता के लिए आरएससी में एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए0आई0) स्किल लैब की स्थापना की गयी है। इस प्रयोगशाला में ए0आई0 अनुप्रयोगों को डिजाइन करने के घटकों के साथ–साथ जागरूकता पैदा करने के मॉड्यूल भी हैं। ए0आई0 स्किल लैब का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों के बीच ए0आई0 की बुनियादी समझ पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण प्रदान करना तथा मानवता के भविष्य को आकार देने में इसकी क्षमता का प्रदर्शन करना है। इस संदर्भ में युवाओं के प्रशिक्षण के साथ–साथ आम लोगों के बीच इस अत्यंत महत्वपूर्ण उभरती हुई प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता पैदा करने का कार्य यह लैब करेगी। ए0आई0 स्किल लैब का शुभारम्भ आगामी 3 फरवरी को केंद्र के वार्षिकोत्सव में किये जाने का प्रस्ताव है।

### मुख्यमंत्री लैब ऑन व्हील (मोबाइल साइंस लैब)

उत्तराखंड के सभी 13 जिलों के स्कूलों में अनुभवात्मक विज्ञान शिक्षा प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री लैब ऑन व्हील्स' कार्यक्रम के लिए परिषद् स्तर पर लिए निर्णय पर केंद्र से सुसज्जित 13 लैब ऑन व्हील बसों के लिए परियोजना शासन को प्रस्तुत की। राज्य सरकार ने कुल 5 करोड़ रुपये इस परियोजना के लिए प्रदान किये हैं, जिनसे इस वित्तीय वर्ष 2022–23 में 13 लैब ऑन व्हील को धरातल पर उतरा जा सकेगा। समाज के सुदूर वंचित और कमजोर वर्गों में एस0टी0ई0एम0 शिक्षा को मजबूत करने, राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन0ई0पी0) के मूल सिद्धांतों को आगे बढ़ाने, वैज्ञानिक सोच, समस्या समाधान कौशल एवं नवाचार को विकसित करने के, तथा शिक्षकों के क्षमता विकास के प्रभावी

कदम के रूप में ये बस कार्य करेंगी।

लैब ऑन व्हील बसों को विद्यालय शिक्षा विभाग के साथ समन्वय बनाकर संचालित किया जायेगा, जिनके उद्देश्य निम्नलिखित होंगे:

1. एसटीईएम शिक्षा में व्यावहारिक प्रयोगों और गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान शिक्षा के पूरक के लिए मोबाइल प्रयोगशाला के रूप में कार्य करना।
2. अनुभवात्मक कौशल विकसित करना और सार्थक सीखने को प्रोत्साहित करना।
3. विज्ञान अधिगम में खोज उपागम की सुविधा प्रदान करना।
4. कक्षाओं में विज्ञान पढ़ाने के लिए रचनात्मक तरीके डिजाइन करने के लिए सरकारी स्कूल के शिक्षकों का कौशल विकास करना।
5. विज्ञान और गणित में छात्रों की जिज्ञासा, रुचि और प्रेरणा विकसित करना।
6. विज्ञान और गणित के शिक्षकों का व्यावसायिक विकास करना।
7. छात्रों में खोज और नवीनता की भावना को प्रेरित करना।

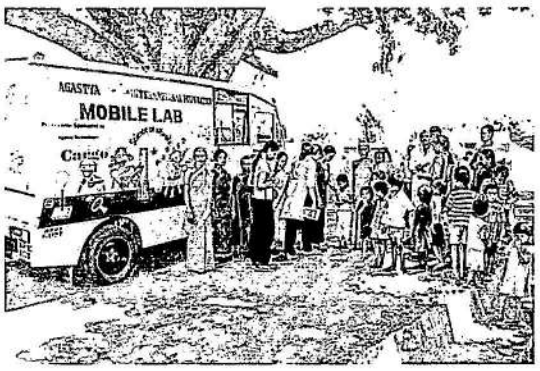


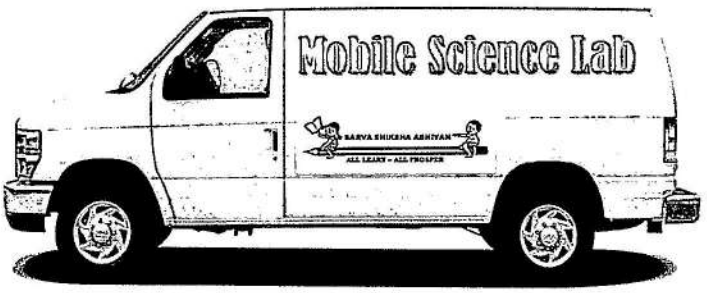


## एस्ट्रो पार्क एंड साइंस सेंटर, हल्द्वानी

हल्द्वानी में एस्ट्रो पार्क एवं विज्ञान केंद्र की स्थापना का कार्य यूकॉस्ट तथा आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ़ ऑब्ज़र्वेशनल साइंसेज (एरीज) नैनीताल के संयुक्त तत्वाधान में किया जायेगा, जिसकी प्रशासनिक स्वीकृति इस वर्ष प्राप्त हुई है। इस परियोजना के लिए राज्य सरकार 15 एकड़ भूमि एरीज को हस्तांतरित करेगी तथा डीएसटी, भारत सरकार से प्राप्त पूर्ण वित्त सहायता के साथ एस्ट्रो पार्क एवं विज्ञान केंद्र की स्थापना की जाएगी। प्रस्तावित एस्ट्रो पार्क एवं विज्ञान केंद्र, हल्द्वानी के 03 घटक होंगे: (1) एस्ट्रो पार्क एवं विज्ञान केंद्र; (2) डाटा सेंटर एवं प्रशिक्षण केंद्र; (3) आउटरीच/सम्मेलन केंद्र।

हल्द्वानी के निकट जिला प्रशासन के परामर्श से चिन्हित भूमि के लिए वन मंजूरी एवं अन्य औपचारिकताओं तथा वन भूमि का शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। यूकॉस्ट इस परियोजना का समन्वय करेगा तथा साइंस सेंटर स्थापना में तकनीकी सहयोग के साथ भविष्य में राज्य सरकार की ओर से प्लैनेटेरियम स्थापना का कार्य करेगा। राज्य में विज्ञान लोकव्यापीकरण एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने तथा युवाओं के लिए एस्ट्रोफिजिक्स तथा एस्ट्रोनॉमी में भविष्य चुनने के दृष्टिगत यह परियोजना राज्य हित में है।

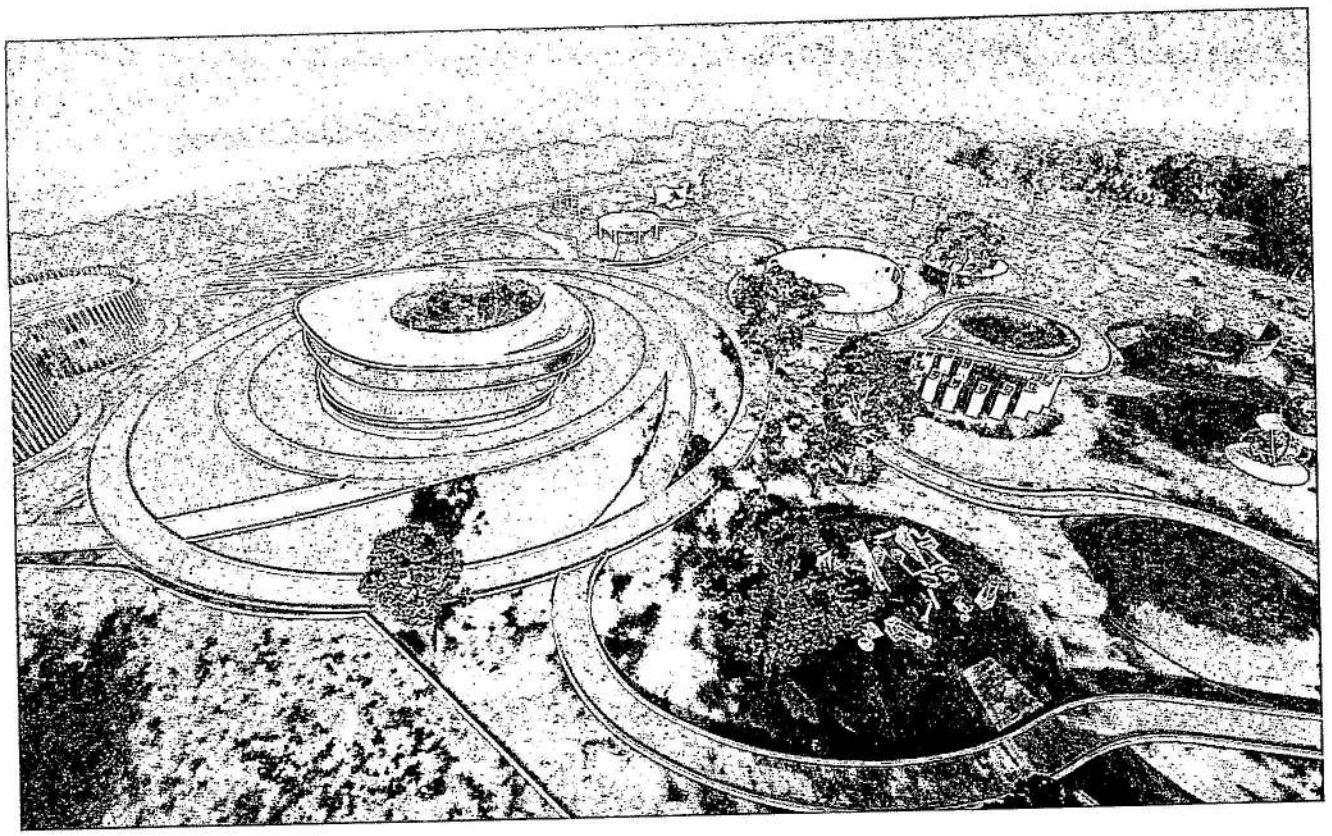

## साइंस सेंटर चम्पावत–

आदर्श जनपद चम्पावत योजना के अंतर्गत केंद्र द्वारा चम्पावत में साइंस सेंटर स्थापना के लिए प्रस्तुत परियोजना को इस वर्ष प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद जारी अनुपूरक बजट में 10 लाख रुपये डी0पी0आर0 निर्माण के लिए प्राप्त हो चुके हैं।

साइंस सेंटर चम्पावत केंद्र सरकार की स्पोक्स स्कीम के तहत निर्दिष्ट साइंस सेंटर की श्रेणी–2 के स्तर का होगा। लगभग 12 करोड़ रुपये में स्थापित होने वाला विज्ञान केंद्र चम्पावत निम्नलिखित सुविधाओं से युक्त होगाः (1) विज्ञान केंद्र (प्रदर्शनी दीर्घाएं, साइंस पार्क, सभागार, गतिविधि केंद्र एवं विजिटर फैसिलिटीज़, आदि), (2) नवाचार एवं रचनात्मकता केंद्र (3) तारामंडल (वैकल्पिक)।

## साइंस सेंटर हिंडोलाखाल–

केंद्र द्वारा हिंडोलाखाल में एक अन्य नए साइंस सेंटर की स्थापना की परियोजना राज्य सरकार को इस वर्ष प्रस्तुत की थी, जिस पर प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। पूर्व में माननीय विधायक श्री विनोद कंडारी द्वारा उनके विधानसभा में एक विज्ञान केंद्र स्थापित करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी को संबोधित किया, जिसके आधार पर केंद्र द्वारा कुल 6.60 करोड़ की लागत के श्रेणी–3 के साइंस सेंटर का परियोजना प्रस्ताव शासन को प्रशासनिक स्वीकृति के लिए भेजा था। प्रस्तावित साइंस सेंटर के भवन का कवर्ड एरिया 500 वर्ग मीटर होगा। विज्ञान केंद्र में 150 वर्ग मीटर में प्रदर्शनी हॉल; 100 वर्ग मीटर में एक्टिविटी सेंटर के साथ अस्थायी प्रदर्शनी के साथ बहुउद्देशीय हॉल व कार्यालय, तथा 250 वर्ग मीटर में इनोवेशन एक्टिविटी हॉल आदि स्थापित किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त एक साइंस पार्क भी होगा।

## 15वीं और 16वीं उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस का आयोजन

विश्व में व्याप्त कोविड–19 महामारी के फलस्वरूप वर्ष 2021 में 15वीं एवं 16वीं विज्ञान कांग्रेस का आयोजन नहीं हो पाया था, जिस हेतु उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), एवं ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय के समन्वय से दिनांक 22 से 24 जून वर्ष 2022 में ग्राफिक एरा हिल विष्वविद्यालय में 15वीं एवं 16वीं विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया। तीसरे समापन दिवस पर समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. राकेश कुमार, आईएएस, अध्यक्ष, उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के मुख्य अतिथि ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और शोधकर्ताओं को सुझाव दिए। उत्तरदायित्व की भावना के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से राज्य के विकास में योगदान देना। डॉ. कुमार ने युवा शोधकर्ताओं को सामान्य रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में और विशेष रूप से कोविड–19 में समाधान प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि यूकॉस्ट को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ–साथ जैव प्रौद्योगिकी के कौशल विकास प्रशिक्षण पर ध्यान देना चाहिए। जिससे वह राज्य अपने को लगभग विकसित राज्य के रूप में स्थापित कर सके देश। प्रदेश भर से कुल 75 युवा वैज्ञानिक/शोधकर्ताओं को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार मिला। इनमें 32 पुरुष और 43 महिलाएं हैं। सभी पुरस्कार विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र और मोनेंटो देकर सम्मानित किया गया। सर्वाधिक पुरस्कार जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर, जबकि एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर दूसरे स्थान पर रहे। 15वें और 16वें दोनों का इनोवेटर ऑफ द ईयर अवार्ड श्री द्वारा प्राप्त किया गया। सिद्धार्थ माधव, एनआईओएस, देहरादून और श्री। सुशांत शेखर, ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी, देहरादून। डॉ. संजय जसोला, डीजी, ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय, देहरादून ने प्रतिभागियों और युवा वैज्ञानिकों से अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से राज्य के विकास में संलग्न होने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.आर. अरोड़ा, पूर्व निदेशक, हिमालयन जियोलॉजी संस्थान, देहरादून ने युवा वैज्ञानिक को नया शोध करने के लिए प्रेरित किया। ग्राफिक ईयर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. एचएन नागराज ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

## 17वीं उत्तराखण्ड राज्य एवं विज्ञान कांग्रेस (प्रथम ग्रामीण कांग्रेस) का आयोजन।

### प्रथम ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस क्यों महत्वपूर्ण–

पहली बार देश दुनिया में हुई ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस ने कई तरह के रास्ते तैयार किये जिसमें गांव की सीधी भागीदारी विज्ञानियों के साथ हुई। वहीं विज्ञानियों की आने वाले समय मे किस विषय पर बात होनी चाहिए इसको लेकर यह समागम हुआ। जहां गणित की बात हुई वहीं दूसरी तरफ घर गांव संसाधनों की भी बात हुई। जहां नीतिकारों, विज्ञानियों को यह संभावना दिखाई दी कि इस राज्य के आर्थिकी की ऐसे आधार खड़े करने होंगे कि कैसे रोजगार को पनपाया जाए। हम देश दुनिया के जितने भी उदाहरण को देखते हैं उनमे से कई देश चीन, अमेरिका, आस्ट्रेलिया जहां परस्थानीय संसाधनों और ज्ञान पर आधारित रोजगारों पर सबसे बड़ा परिवर्तन किया गया, उसकी समझ इस ग्रामीण कांग्रेस से निकल कर आई है, इसका रास्ता भी ग्रामीणों ने दिखाया। सबसे महत्वपूर्ण यह दिखाई दिया कि यह पहली बार हुआ जब ग्रामीणों ने सरकार को, विज्ञानियों को, नीतिकारों कों रास्ता दिखाया है उत्तराखंड के विकास का, जहां एक तरफ प्राकृतिक संसाधनों, पानी की, पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय नवाचारों की बात हुई। इन सबको एक बड़े पटल पर लाने की शुरुआत ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस ने की। एक पहल के रूप मे यह परम्परा लगातार बनी रहेगी। नीतिकारों को यह समझना होगा कि यूकॉस्ट जैसे संगठनों को विज्ञान आधारित स्वरोजगार केन्द्रो मे स्किल डेवलपमेंट करने की

रणनीतियां तैयार करनी चाहिए और इसमें पहली बात महसूस हुआ कि वैज्ञानिक संस्थान अलग रहते हैं और ग्रामीण की प्राथमिकतायें और आवश्यकताएं अलग रहती हैं और उन पर आधारित जो रोजगार की संभावनायें होती हैं उनमें आपसी मेल–मिलाप नहीं होता है जो इस ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस ने जताया है। दूसरी महत्वपूर्ण बात कि युवाओं को बेहतर स्थान उनके कार्यों को बेहतर करने का रास्ता यूकॉस्ट दिखा रहा है।

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), देहरादून द्वारा हिमालयन एनवायर्नमेंटल स्टडीज एण्ड कंजर्वेशन (हेस्को) एवं उत्तराखण्ड जैव प्रौद्योगिकी परिषद, (यू0सी0बी0) के समन्वय में देश की प्रथम ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस एवं 17वीं राज्य विज्ञान कांग्रेस का आयोजन दिनांक 10 से 12 फरवरी को किया गया। जिसका उद्दघाटन माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया गया। इस अवसर पर हाइड्रोपोनिक यूनिट, क्यू आर कोड आधारित जैव विविधता पार्क व प्राइड ऑफ उत्तराखण्ड एक्सपों प्रदर्भानी क उद्घाटन भी मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया। साथ ही ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस, उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास यात्रा व विज्ञान पर चर्चा पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देहरादून में ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस का आयोजन होना अच्छी बात है, जो कि देभा में पहली ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस है। राज्य के मैदानी एवं ग्रामीण इलाको के वैज्ञानिके, शोधकर्ताकतों एवं आंगतुकों द्वारा भी इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। इस ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस में स्वयं सहायता समूहों, गैर–सरकारी संगठनों, महिला सहकारी समितियों आदि से राज्य के साथ–साथ सीमांत राज्यों से प्रतिभागियों ने भाग किया। प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण मिलेट उत्सव था, जिसमें मिलेट के कई उत्पादों और मिलेट आधारित पोशक तत्वों के सम्बन्धित सूचनाओं एवं मिलेट से तैयार उत्पादों को भी प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा हस्तशिल्प वस्तुओं, लकड़ी के क्राफ्ट, मूल्य वर्धित उत्पादों, दालों, पारंपरिक शिल्प और खाद्य प्रसंस्करण आदि तकनीक भी प्रदर्शित की गयी। एक्सपो के दौरान राष्ट्रीय और राज्य विभागों के कई स्टॉल भी प्रस्तुत किए गए थे। पूरे भारत से चयनित 10 सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी अन्वेषकों के स्टॉल थे जिन्हें एक्सपो के दौरान प्रदर्शित किया गया। लेह और हिमाचल प्रदेश सहित अन्य हिमालयी राज्यों के स्टॉल भी एक्सपो का मुख्य आकर्षण थे।

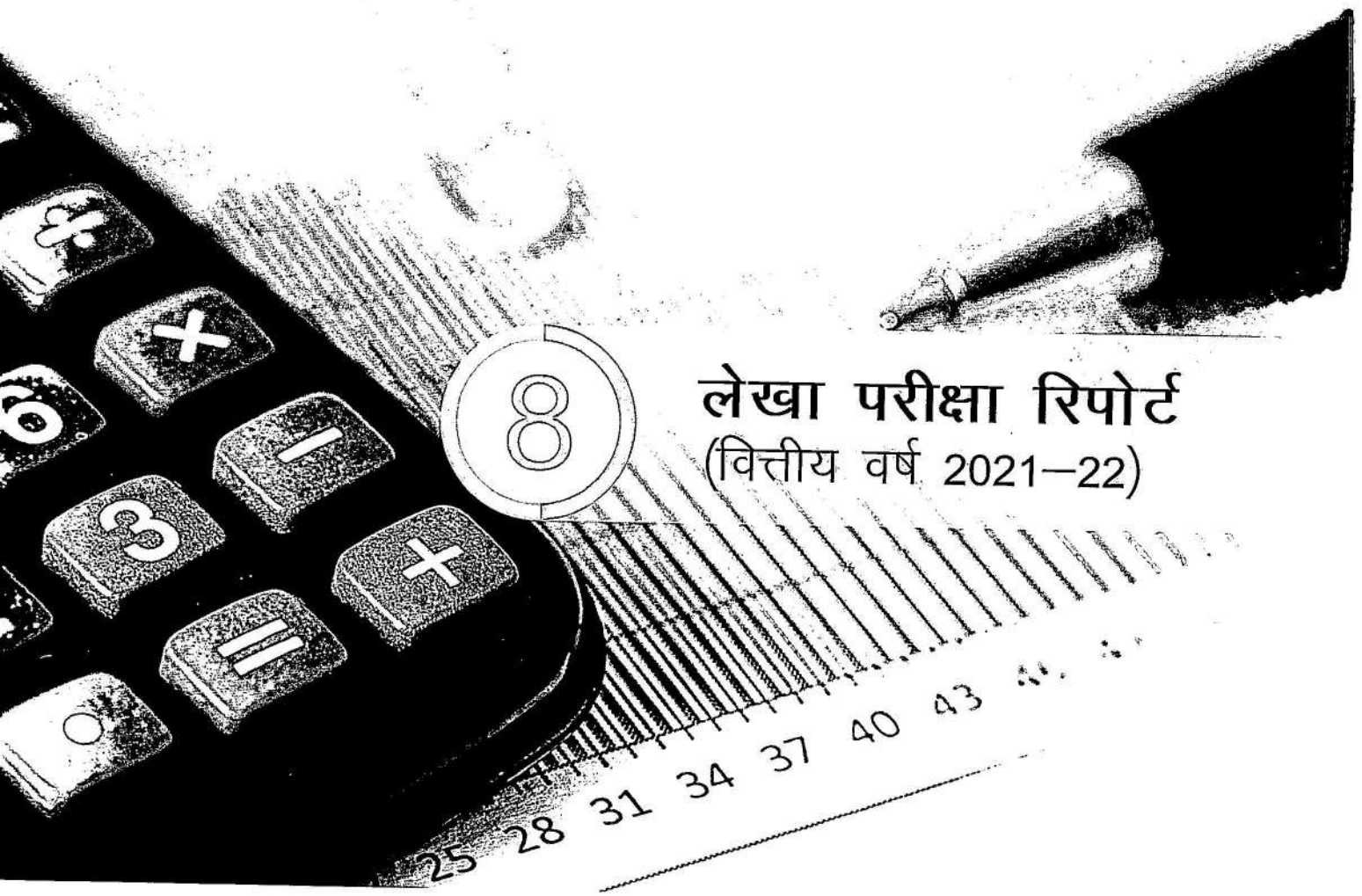

8

# लेखा परीक्षा रिपोर्ट

(वित्तीय वर्ष 2021–22)

GOYAL BHANOT & CO
Chartered Accountants

## AUDITOR'S REPORT

To,
**The Members,**
**Uttarakhand State Council for Science & Technology**
Vigyan Dham, Jhajra, Dehradun
Uttarakhand

Report on the Financial Statements

We have audited the accompanying financial statements of the **"Uttarakhand State Council for Science & Technology, Dehradun,"** which comprises the Balance Sheet as at 31st March 2022 & Income /Expenditure Account for the period as at 31st March 2022 and a summary of significant accounting policies and other explanatory information. These statements are the responsibility of Council Management. Our responsibility is to express an opinion on the accompanying financial statements based on our audit.

Auditor's Responsibility

We have conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing generally accepted in India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the financial statements.

Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid standalone financial statements give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India.

Based on our audit, we report that:

GOYAL BHANOT & CO. DEHRADUN Chartered Accountants

DEHRADUN
1, Turner Road,
Clement Town, Dehradun,
Uttarakhand 248001
t.91 0788606467

GURUGRAM
150 Vipul Trade Centre,
Sohna Road Gurugram,
Haryana 122018
t.01244301908
0124 6541114

e: admingoyalbhanot@gbc-ca.com | w: www.gbc-ca.com

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

(ii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by Council

(iii) The Balance Sheet and Receipt & Income/Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

For Goyal Bhanot & Co
Chartered Accountants
FRN No.012376C

GOYAL BHANOT & CO. DEHRADUN Chartered Accountants

CA Rajnish Bhanot
[ FCA, Partner]
M.No. 402787

Place : Dehradun
Dated : 19-09-2022

UTTARAKHAND STATE COUNCIL FOR SCIENCE & TECHNOLOGY
VIGYAN DHAM, JHAJRA, DEHRADUN
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2022

| PARTICULARS | SCHEDULE | CURRENT YEAR | PREVIOUS YEAR |
|---|---|---|---|
| LIABILITIES | | | |
| GRANT FUND | A | 33,290,805.95 | 26,192,074.75 |
| GENERAL FUND (Interest fund & Depreciation fund) | B | 7,035,150.85 | 6,951,085.55 |
| FIXED ASSET CAPITAL FUND | C | 52,013,338.17 | 47,893,470.17 |
| PROJECT/ PROGRAMMES (Funds from DST, Govt of Uttarakhand) | | 9,792,380.55 | 80,674,041.51 |
| Total..... | | 102,131,675.52 | 161,710,671.98 |
| ASSETS | | | |
| FIXED ASSETS | E | 52,013,338.17 | 47,893,470.17 |
| PROJECT/ PROGRAMMES (Funds from DST, Govt of Uttarakhand) | | 9,792,380.55 | 80,674,041.51 |
| CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES | F | 40,325,956.80 | 33,143,160.30 |
| Total..... | | 102,131,675.52 | 161,710,671.98 |

*Significant Accounting Policies & Notes on Accounts*

*"As Per Our Separate Report of Even Date"*

FOR GOYAL BHANOT & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

CA RAJNISH BHANOT
[PARTNER FCA]
[M No. 402787]
FRN 012376C

S. D. BIJALWAN
[ACCOUNTANT]

JITENDRA KUMAR
[ACCOUNT OFFICER]

PROF. DURGESH PANT
[DIRECTOR GENERAL]

Date:- 19/09/2022
Place:- Dehradun

UTTARAKHAND STATE COUNCIL FOR SCIENCE & TECHNOLOGY
VIGYAN DHAM, JHAJRA, DEHRADUN
RECEIPT & PAYMENT A/C FOR THE YEAR ENDING ON 31ST MARCH 2022

| PARTICULARS | SCH No. | UCOST MAIN | PLA ACCOUNT | CURRENT YEAR |
|---|---|---|---|---|
| Balances as on April 1, 2021 | | | | |
| *SBI Saving A/c No.30077141888* | | 9,983.00 | - | 9,983.00 |
| *UBI A/c No.5097* | | 2,576,751.30 | - | 2,576,751.30 |
| *PLA Account No 84480011000000* | | - | 29,822,779.00 | 29,822,779.00 |
| Petty Cash (Imprest money) | | 39,000.00 | - | 39,000.00 |
| Grant-in-Aid received from Govt of Uttarakhand | I | - | 70,100,000.00 | 70,100,000.00 |
| Grant in Aid received from Others | I | 7,165,109.00 | - | 7,165,109.00 |
| Grant in Aid refunded | I | 912,794.20 | - | 912,794.20 |
| Bank Interest | | 88,091.00 | - | 88,091.00 |
| Miscellaneous Receipt | | 240.00 | - | 240.00 |
| Staff Advance Adjusted for Last Year | | | - | - |
| Taxes Payable | | 18,560.00 | - | 18,560.00 |
| Total (A) in Rs.... | | 10,810,528.50 | 99,922,779.00 | 110,733,307.50 |
| PAYMENTS | | | | |
| Direction & Administration | G | | | |
| *Recurring Expenses* | | 7,654,241.70 | 21,135,165.00 | 28,789,406.70 |
| *Capital Expenditure* | | - | 4,119,868.00 | 4,119,868.00 |
| Research & Development | | | | |
| *Capital Expenditure- Books & Charts* | | - | - | - |
| Campus Maintenance | | - | - | - |
| Grant-in-Aid Disbursed | J | 587,976.00 | 37,436,187.00 | 38,024,163.00 |
| Project Expenses | J | - | | - |
| Regional Science Centre Expenditure | | - | - | - |
| Advance to Staff | | | - | - |
| Taxes paid during the year | | - | - | - |
| Total (B) in Rs.... | | 8,242,217.70 | 62,691,220.00 | 70,933,437.70 |
| Balances (A-B) as on 31 March, 2022 | | | | |
| *PLA A/c No 84480011000000* | | - | 37,231,559.00 | 37,231,559.00 |
| *SBI A/c No.30011141888* | | - | - | - |
| *UBI A/c No.5097* | | 2,563,310.80 | - | 2,563,310.80 |
| Cash in Hand | | - | - | - |
| Advance For Petty Cash (Imprest money) | | 5,000.00 | - | 5,000.00 |
| | | 2,568,310.80 | 37,231,559.00 | 39,799,869.80 |
| | | - | - | |

"As Per Our Foot Note on the Balance Sheet of Even Date"

FOR GOYAL BHANOT & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

CA RAJNISH BHANOT
[PARTNER FCA]
[ M No. 402787]
FRN 012376C

S. D. BIJALWAN
[ACCOUNTANT]

JITENDRA KUMAR
[ACCOUNT OFFICER]

PROF. DURGESH PANT
[DIRECTOR GENERAL]

Date:- 19/09/2022
Place:- Dehradun

UTTARAKHAND STATE COUNCIL FOR SCIENCE & TECHNOLOGY
VIGYAN DHAM, JHAJRA, DEHRADUN
INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDING ON 31ST MARCH 2022

| PARTICULARS | SCHEDULE | CURRENT YEAR | PREVIOUS YEAR |
|---|---|---|---|
| INCOME | | | |
| Grant in Aid from Govt of Uttarakhand Utilized | | 59,809,702.00 | 68,483,166.00 |
| | | 59,809,702.00 | 68,483,166.00 |
| EXPENDITURE | | | |
| Direction & Administartion | (K) | 21,635,539.00 | 20,688,992.00 |
| Grant-in-Aid Disbursed | (K) | 38,174,163.00 | 35,181,126.00 |
| Regional Science Centre Expenditure | | - | 11,332,162.00 |
| Campus Maintenance | | - | 864,726.00 |
| Project Expenses | (K) | - | 416,160.00 |
| Transfer to Depreciation Fund | (D) | 3,699,919.00 | 3,336,258.43 |
| | | 63,509,621.00 | 71,819,424.43 |
| Deficit being Excess of Expenditure over Income (Transferred to General fund) | | (3,699,919.00) | (3,336,258.43) |

"As Per Foot Note on the Balance Sheet of Even Date"

FOR GOYAL BHANOT & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

CA RAJINISH BHANOT
[PARTNER FCA]
[ M No. 402787]
FRN 012376C

S. D. BIJALWAN
[ACCOUNTANT]

JITENDRA KUMAR
[ACCOUNT OFFICER]

PROF. DURGESH PANT
[DIRECTOR GENERAL]

Date:- 19/09/2022
Place:- Dehradun

# 9 आंचलिक विज्ञान केन्द्र

## 1. आरएससी देहरादून एवं इनोवेशन हब द्वारा आयोजित कार्यक्रम

### एक्सपोजर विजिट

विज्ञान उत्प्रेरण एवं विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति चेतना का संचार करने हेतु स्पेक्स संस्था देहरादून में प्रशिक्षण को आये छात्रों के समूह ने 5 जनवरी 2022 को आंचलिक विज्ञान केंद्र की एक्सपोजर विजिट की। इस अवसर पर केंद्र द्वारा उन्हें साइंस पार्क, फन साइंस गैलरी, फ्रंटियर आफ टेक्नालॉजी गैलरी, तथा हिमालय गैलरी की गाइडेड विजिट कराई। प्रतिभागियों को 3–डी फिल्म के बाद ग्लोबल वार्मिंग पर इंटरेक्टिव लेक्चर प्रदान किया गया। साथ ही साइंस डेमोस्ट्रेशन लेक्चर के तहत फिजिक्स तथा केमिस्ट्री आधारित रोचक प्रयोगों को अंकित कंडियाल द्वारा प्रदर्शित किया गया। अंत में कार्यक्रम के अंर्तगत विधार्थियों के ही एक समूह ने स्वयं ई–कचरा प्रबंधन, नशामुक्ति एवं पोषण पर जनजागरुकता के लिए नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। इन नुक्कड़ नाटक में केंद्र पर भ्रमण को आए परिव ारों ने प्रतिभाग किया। सांइस सिटी सलाहकार श्री जी०एस० रौतेला ने लोकव्यापीकरण की महत्ता पर जानकारी दी तथा नुक्कड़ नाटक के लिए एक कहानी भी सुझाई। इस कार्यक्रम मे स्पेक्स संस्था के सहयोग से सल्ट (अल्मोड़ा) व पौड़ी से आए 34 विद्यार्थियों, उनके 6 एस्काट्र्स तथा परिवारों के 20 से अधिक सामान्य विजिटिर्स ने प्रतिभाग किया।

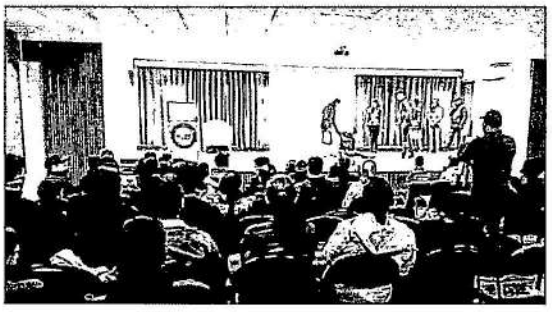

## साइंस सेंटर हिंडोलाखाल

केंद्र द्वारा हिंडोलाखाल में एक अन्य नए साइंस सेंटर की स्थापना की परियोजना राज्य सरकार को इस वर्ष प्रस्तुत की थी, जिस पर प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। पूर्व में माननीय विधायक श्री विनोद कंडारी द्वारा उनके विधानसभा में एक विज्ञान केंद्र स्थापित करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी को संबोधित किया, जिसके आधार पर केंद्र द्वारा कुल 6.60 करोड़ की लागत के श्रेणी–3 के साइंस सेंटर का परियोजना प्रस्ताव शासन को प्रशासनिक स्वीकृति के लिए भेजा था। प्रस्तावित साइंस सेंटर के भवन का कवर्ड एरिया 500 वर्ग मीटर होगा। विज्ञान केंद्र में 150 वर्ग मीटर में प्रदर्शनी हॉल; 100 वर्ग मीटर में एक्टिविटी सेंटर के साथ अस्थायी प्रदर्शनी के साथ बहुउद्देशीय हॉल व कार्यालय, तथा 250 वर्ग मीटर में इनोवेशन एक्टिविटी हॉल आदि स्थापित किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त एक साइंस पार्क भी होगा।

### 1. आगंतुक सारांश एवं सांख्यिकी

केंद्र ने 3 फरवरी, 2016 को अपनी स्थापना के बाद से दिसंबर, 2022 तक कुल 3,50,403 विजिटर्स को पंक्ती त किया है। वर्ष 2022 में जनवरी से दिसंबर तक केंद्र के भ्रमण को आये 48,522 लोगों में कुल 25,730 (53 प्रतिशत) स्कूल/कॉलेज/अन्य समूह; 17333 (36 प्रतिशत) जनरल विज़िटर्स; तथा 5447 (11 प्रतिशत) केंद्र अथवा यूकॉस्ट द्वारा आयोजित प्रोग्राम्स में आये फ्री विज़िटर्स थे। आंकड़ों से स्पष्ट है कि केंद्र को परिव ारों तथा पर्यटकों के बीच अपनी पहुंच बढ़ने की आवश्यकता है।

तालिका 1: वर्ष 2022 में आगंतुकों का मासिक वर्गवार विवरण

| Month | General Visitors | Visitors of Govt Schools | Visitors of Public Schools | Number of School Groups | Free entry | Total Visitors | Total Amount |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| January | 2130 | 37 | 57 | 03 | 283 | 2507 | 1,40,390.00 |
| February | 1112 | 0 | 27 | 01 | 859 | 1998 | 75,550.00 |
| March | 1226 | 345 | 406 | 15 | 172 | 2149 | 1,42,700.00 |
| April | 978 | 61 | 254 | 5 | 157 | 1450 | 1,14,930.00 |
| May | 1513 | 30 | 768 | 12 | 191 | 2514 | 2,14,205.00 |
| June | 3544 | 94 | 313 | 8 | 726 | 4677 | 3,74,525.00 |
| July | 1168 | 124 | 312 | 6 | 108 | 1712 | 1,34,545.00 |
| August | 980 | 0 | 616 | 9 | 208 | 1804 | 1,50,300.00 |
| September | 732 | 236 | 2478 | 43 | 314 | 3760 | 2,79,800.00 |
| October | 905 | 107 | 2453 | 34 | 285 | 3750 | 2,99,075.00 |
| November | 1167 | 987 | 7445 | 104 | 1468 | 11067 | 7,78,936.00 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2017 | 11335 | 9194 | 8523 | 12446 | 19961 | 5103 | 66562 |
| 2018 | 15857 | 10185 | 9316 | 14611 | 22361 | 4146 | 76476 |
| 2019 | 15765 | 10369 | 9587 | 15512 | 37755 | 4386 | 93374 |
| 2020 | 2651 | 3603 | 315 | 3780 | 8325 | 1077 | 19751 |
| 2021 | 5400 | 1328 | 0 | 274 | 34 | 55 | 7091 |
| 2022 | 4509 | 3143 | 250 | 9285 | 25770 | 5442 | 48399 |
| **Total** | **60535** | **42950** | **32694** | **63993** | **129345** | **20886** | **350403** |

तालिका 3: तारामंडल एवं 3डी फिल्म शो में दर्शकों का सारांश (03 फरवरी, 2016 से 2022)

| YEAR | 3D Film | Planetarium |
|---|---|---|
| 2016 | 29029 | 28634 |
| 2017 | 46704 | 46033 |
| 2018 | 51303 | 50434 |
| 2019 | 68022 | 67020 |
| 2020 | 16785 | 13497 |
| 2021 | 1691 | 0 |
| 2022 | 43640 | 40747 |
| **TOTAL** | **257174** | **246365** |

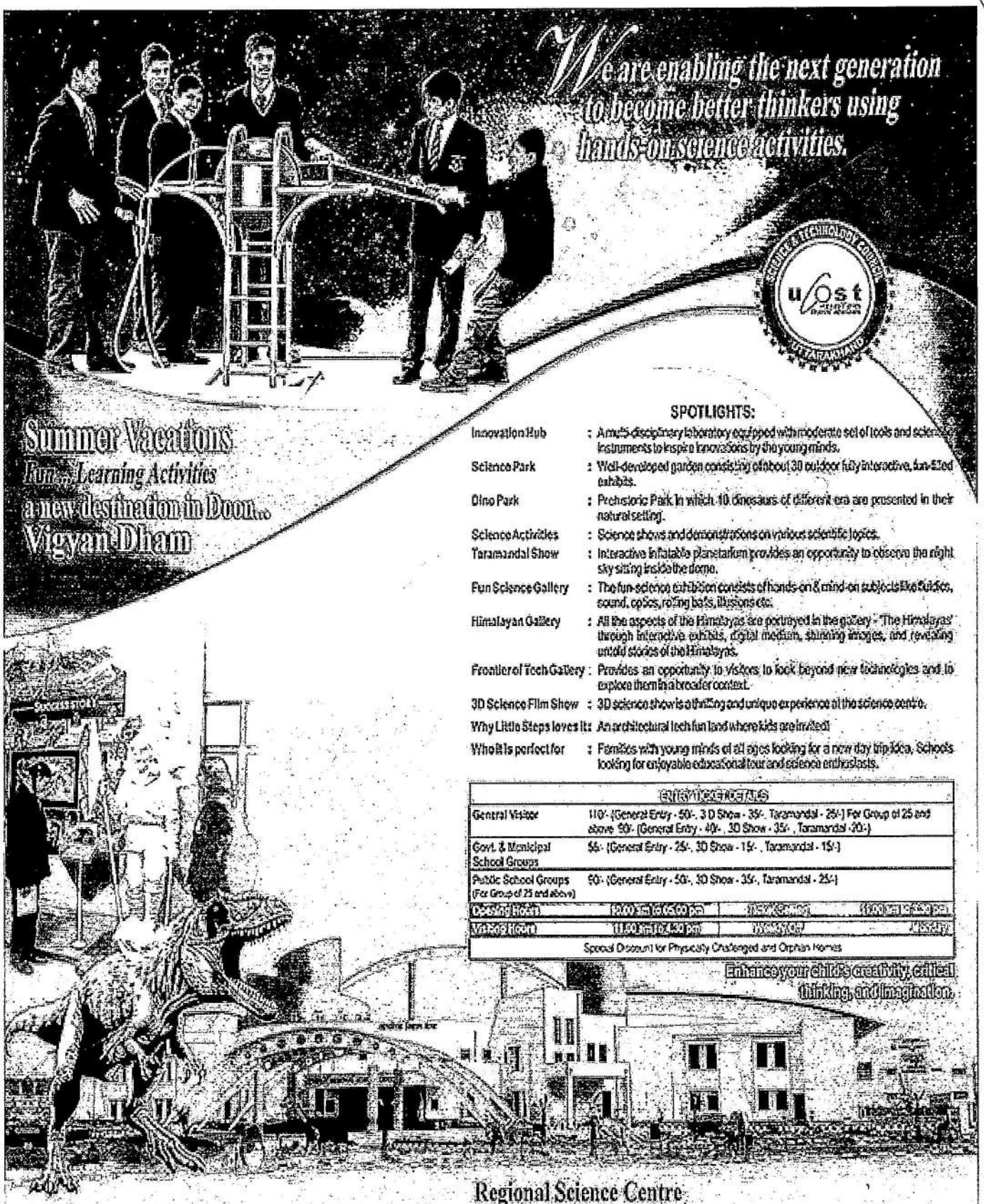
We are enabling the next generation to become better thinkers using hands-on science activities.
Summer Vacations
Fun... Learning Activities
a new destination in Doon...
Vigyan Dham
SPOTLIGHTS:
Innovation Hub : A multi-disciplinary laboratory equipped with moderate set of tools and scientific instruments to inspire innovations by the young minds.
Science Park : Well-developed garden consisting of about 30 outdoor fully interactive, fun-filled exhibits.
Dino Park : Prehistoric Park in which 10 dinosaurs of different era are presented in their natural setting.
Science Activities : Science shows and demonstrations on various scientific topics.
Taramandal Show : Interactive inflatable planetarium provides an opportunity to observe the night sky sitting inside the dome.
Fun Science Gallery : The fun-science exhibition consists of hands-on & mind-on subjects like fluidics, sound, optics, rolling balls, illusions etc.
Himalayan Gallery : All the aspects of the Himalayas are portrayed in the gallery - 'The Himalayas' through interactive exhibits, digital medium, stunning images, and revealing untold stories of the Himalayans.
Frontier of Tech Gallery : Provides an opportunity to visitors to look beyond new technologies and to explore them in a broader context.
3D Science Film Show : 3D science show is a thrilling and unique experience at the science centre.
Why Little Steps loves it : An architectural tech fun land where kids are invited!
Who it is perfect for : Families with young minds of all ages looking for a new day trip idea, Schools looking for enjoyable educational tour and science enthusiasts.
ENTRY FEE DETAILS
General Visitor : 110/- (General Entry - 50/-, 3 D Show - 35/-, Taramandal - 25/-) For Group of 25 and above 90/- (General Entry - 40/-, 3D Show - 35/-, Taramandal -20/-)
Govt. & Municipal School Groups : 55/- (General Entry - 25/-, 3D Show - 15/- , Taramandal - 15/-)
Public School Groups (For Group of 25 and above) : 90/- (General Entry - 50/-, 3D Show - 35/-, Taramandal - 25/-)
Special Discount for Physically Challenged and Orphan Homes
Enhance your child's creativity, critical thinking, and imagination.
Regional Science Centre
Uttarakhand State Council for Science and Technology
Vigyan Dham, Jhajra, Opp. Balaji Dham, Chakrata Road, Dehradun - 248007, Uttarakhand
# 9412051654, 8193099156, 8193099165, 8193099154, 8193099172 www.ucost.in/blog/rsc/
FOR ONLINE BOOKING CONTACT:
www.ucost.in/blog/rsc/ | Email: rscdehradoon@gmail.com